

Training on Mgmt of Small Botanical Gardens begins at TFRI

■ Staff Reporter

IDENTIFYING the escalating need to raise and generate quality planting material and scope of income generation in the sector, a training programme on Management of Small Botanical Gardens was inaugurated at TFRI, Jabalpur.

The said training is being conducted under the Green Skill Development Programme sponsored by the Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEF&CC), Government of India, New Delhi at TFRI Jabalpur.

Dr G Rajeshwar Rao (ARS), Director TFRI, welcomed the guest of honour of the inaugural session, Dr. P.K. Singh, Director, Directorate of Weed Research (ICAR, DWR). He appreciated the assorted rural background of the participants and their passion to take part in the training and encouraged them to utilize their



Guests releasing the research publication in the opening of Green Skill Development Programme at TFRI.

time and to gain certification of the subject.

Dr M Kundu, training co-ordinator briefed about the training and the topics that will be covered that is modern nursery and seed management, nutrition, weed and disease management, tissue culture methodology to raise quality planting material, marketing of the seedlings etc. during the course.

Dr P K Singh took keen interest in interacting with the participants. He motivated the par-

ticipants and emphasized on the importance of quality planting material and income generation avenues of the training. He also accentuated on importance of organic farming and use of techniques like soil solarization for quality and expanding profit margins by farming. Lastly, he asked the participants to give emphasis and practical of the training and extend their learning. The course manual was released by the dignitaries during the occasion. This one month long train-

ing is being attended by the participants from Maharashtra, Uttar Pradesh and Madhya Pradesh interested to open their nursery as entrepreneurs. Dr Hari Om Saxena convened the inaugural session and the session concluded by extension of vote of thanks by Dr Sarvanan. Senior scientists Dr P B Meshram, Dr Fatima Shirin, Dr Avinash Jain, Dr Nanita Berry, Dr Arun Kumar along with other scientists, officers and employees of the institute were also present.

city भास्कर

JABALPUR, FRIDAY 08/02/2019

ट्रेनिंग प्रोग्राम में सीखेंगे- कैसे बनाएँ नर्सरी

सिटी रिपोर्ट, जबलपुर। गुणवत्ता रोपण सामग्री के उत्पादन और किसानों की आय सृजन की बढ़ती आवश्यकता के लिए हरित कौशल विकास कार्यक्रम के तहत उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। छोटे वानस्पतिक उद्यानों के प्रबंधन पर हो रहे कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ. जी. राजेश्वर राव ने उद्घाटन सत्र के अतिथि डॉ. पी.के. सिंह, निदेशक, निदेशालय खरपतवार अनुसंधान का स्वागत किया। डॉ. एम. कुंडू, प्रशिक्षण समन्वयक ने प्रशिक्षण के दौरान लिए जाने वाले विषयों जैसे आधुनिक नर्सरी और बीज प्रबंधन, पौध पोषण, खरपतवार

और रोग प्रबंधन, गुणवत्ता रोपण सामग्री जुटाने के लिए टिशू कल्चर पद्धति, बीजारोपण आदि के बारे में बताया। इस एक महीने के लंबे प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जिन्हें नर्सरी बनाने के बारे में ट्रेनिंग दी जाएगी। समारोह में अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पी.बी. मेश्राम, डॉ. फातिमा शिरीन, डॉ. ननिता बेरी, डॉ. एस. सी. बिस्वास सहित अन्य वैज्ञानिक, अधिकारी और संस्थान के कर्मचारी भी उपस्थित थे। संचालन डॉ. हरिओम सक्सेना एवं आभार डॉ. सरवनन ने व्यक्त किया। पी-5

राज एक्सप्रेस महानगर बुधवार, 8 फरवरी, 2019 2 जबलपुर
www.rajexpress.co

गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री उत्पादन की मिली जानकारी



जबलपुर (आरएनएन)। गुणवत्ता रोपण सामग्री के उत्पादन और किसानों की आय सृजन की बढ़ती आवश्यकता आज की जरूरत है। जैविक खेती किसानों के लिए भी लाभकारी है। खेती के लिए मिट्टी के सौरकरण जैसी तकनीक उपयोगी साबित हो सकती है। उक्त जानकारी अतिथियों ने गुणवत्ता रोपण को उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन मौके पर व्यक्त किए। अतिथियों द्वारा पाठ्यक्रम पुस्तिका का विमोचन किया गया। उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित छोटे वानस्पतिक उद्यानों के प्रबंधन पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में उद्घाटन सत्र के अतिथि डॉ. पी.के. सिंह निदेशक, निदेशालय खरपतवार अनुसंधान, संस्थान निदेशक डॉ. जी. राजेश्वर राव मौजूद रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ. एम. कुंडू प्रशिक्षण समन्वयक ने प्रशिक्षण के दौरान लिए जाने वाले विषयों जैसे आधुनिक नर्सरी और बीज प्रबंधन, पौध पोषण, खरपतवार और रोग प्रबंधन, गुणवत्ता रोपण सामग्री जुटाने के लिए टिशू कल्चर पद्धति, बीजारोपण आदि के बारे में बताया।

प्रतिभागियों को मिली तकनीकी जानकारी: डॉ. पी.के. सिंह ने प्रतिभागियों के साथ बातचीत में गहरी दिलचस्पी ली। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रेरित किया और गुणवत्ता रोपण सामग्री और आय सृजन के महत्व पर जोर दिया। इस एक महीने के लंबे प्रशिक्षण कार्यक्रम में उद्यमी के रूप में अपनी नर्सरी खोलने के इच्छुक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. हरिओम सक्सेना एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सरवनन द्वारा किया गया। समारोह में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पी.बी. मेश्राम, डॉ. फातिमा शिरीन, डॉ. ननिता बेरी, डॉ. एस.सी. बिस्वास सहित अन्य वैज्ञानिक, अधिकारी और संस्थान के कर्मचारी भी उपस्थित थे।

06

नईदुनिया
जबलपुर, बुधवार 08 फरवरी 2019

महानगर-आसपास

www.naidunia.com

लघु वनस्पति उद्यान से कमाएँ लाभ

जबलपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

लघु वनस्पति उद्यान का कुशल प्रबंधन करके प्रदेश के किसान अच्छा आर्थिक लाभ ले सकते हैं। जरूरत है तो समय पर पौधों की देखभाल करने व उन्हें संभालने की। उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआई) में यह विचार विषय विशेषज्ञों ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित हरित कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में व्यक्त किए।

संस्थान निदेशक डॉ. जी. राजेश्वर राव (एआरएस) ने उद्घाटन सत्र



के अतिथि डॉ. पी.के. सिंह निदेशक निदेशालय खरपतवार अनुसंधान का स्वागत किया। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण में भाग लेने उत्सुक पाकर सराहना की। इस दौरान प्रतिभागियों को अपने समय का उपयोग करने प्रोत्साहित किया। प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. एम. कुंडू ने कार्यशाला में आधुनिक नर्सरी, बीज

प्रबंधन, पौध पोषण, खरपतवार व रोग प्रबंधन, गुणवत्ता रोपण सामग्री जुटाने के लिए टिशू कल्चर पद्धति आदि के बारे में बताया। इस अवसर पर अतिथियों ने पाठ्यक्रम पुस्तिका का विमोचन किया। प्रशिक्षण में 3 प्रांतों के किसान शामिल हो रहे हैं। कार्यक्रम में डॉ. पी.बी. मेश्राम, डॉ. फातिमा शिरीन मौजूद रहें।